म.प्र. राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
सा विद्या या विमुक्तये

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

TESS India

प्रारंभिक अंग्रेज़ी

पाठ सज्जा

भारत में विद्यालय समर्थित शिक्षक-शिक्षा
www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

The Open University

UKaid
from the British people

एस.आर.मोहन्ती
अपर मुख्य सचिव

अ.शा.पत्र क्र R.S.K/10
दूरभाष कार्यालय - 0755-4251330
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल-462 004
भोपाल, दिनांक 20-1-2016

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

बच्चों की शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और रोचक बनाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग निरन्तर प्रयासरत् है। आप सभी के प्रयासों से शिक्षकों के शिक्षण कौशल में भी निखार आया है और शालाओं में कक्षा शिक्षण भी आंनददायी तथा बेहतर हुआ है।

इसी दिशा में शिक्षकों को बाल केन्द्रित शिक्षण की ओर उन्मुख करने और शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को लेकर, TESS India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) का विकास किया गया हैं। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता व सुगमतापूर्वक किया जा सकता है। आशा है कि ये संसाधन, शिक्षकों एवं शिक्षक प्रशिक्षकों के व्यावसायिक उन्नयन और क्षमतावर्द्धन में लाभकारी और उपयोगी सिद्ध होंगे।

राज्य शिक्षा केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में TESS India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया गया हैं। आशा है इन संसाधनों के उपयोग से प्रदेश के शिक्षक और शिक्षक प्रशिक्षक लाभान्वित होंगे और कक्षाओं में पठन पाठन को रूचिकर और गुणवत्तायुक्त बनाने में मदद मिलेगी।
शुभकामनाओं सहित,

(एस.आर.मोहन्ती)

दीप्ति गौड मुकर्जी
आयुक्त
राज्य शिक्षा केन्द्र एवं
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग

अर्द्ध शा. पत्र क्र. : 8
दिनांक : 12-1-16
पुस्तक भवन, वी-विंग
अरेरा हिल्स, भोपाल-462011
फोन : (का.) 2768392
फैक्स : (0755) 2552363
वेबसाइट : www.educationportal.mp.gov.in
ई-मेल : rskcommmp@nic.in

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

सभी बच्चों को रूचिकर और बाल केन्द्रित शिक्षा उपलब्ध हो इसके लिए आवश्यक है कि हमारे शिक्षकों को शिक्षण की नवीनतम तकनीकों और शिक्षण विधियों से परिचित कराया जाए साथ ही इन तकनीकों के उपयोग के लिए उन्हे प्रोत्साहित भी किया जाए। TESS India द्वारा तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) के उपयोग से शिक्षक शिक्षण प्रविधि के व्यावहारिक उपयोग को सीख सकते हैं। इनकी सहायता से शिक्षक न केवल विषय वस्तु को सुगमता पूर्वक पढ़ा सकते हैं बल्कि पठन पाठन की इस प्रकिया में बच्चों की अधिक से अधिक सहभागिता भी सुनिश्चित कर सकते हैं।

राज्य शिक्षा केन्द्र स्कूल शिक्षा विभाग ने स्थानीय भाषा में तैयार किये गये इन मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को अपने पोर्टल www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया है।

आशा हैं, कि आप इन संसाधनों का कक्षा शिक्षण के दौरान नियमित रूप से उपयोग करेंगे और अपने शिक्षण कौशल में वृद्धि करते हुए बच्चों की पढ़ाई को आनंददायक बनाने का प्रयास करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

(दीप्ति गौड मुकर्जी)

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

टेस–इण्डिया स्थानीयकृत ओईआर निर्माण में सहयोग

मार्गदर्शन एवं समीक्षा :
श्रीमती स्वाति मीणा नायक, अपर मिशन संचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एच. के. सेनापति, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. ओ.पी.शर्मा, अपर संचालक, मध्यप्रदेश एससीईआरटी
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
प्रो.जयदीप मंडल, विभागाध्यक्ष विज्ञान एवं गणित शिक्षा संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आर. रायजादा, सहप्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष विस्तार शिक्षा, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. वी.जी. जाधव, से.नि. प्राध्यापक भौतिक, एनसीईआरटी
डॉ. के. बी. सुब्रमण्यम से.नि. प्राध्यापक गणित, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आई. पी. अग्रवाल से.नि. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. अश्विनी गर्ग सहा. प्राध्यापक गणित संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. एल. के. तिवारी, सहप्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री एल.एस.चौहान, सहा. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. श्रुति त्रिपाठी, सहा. प्राध्यापक अंग्रेजी, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. रजनी थपलियाल, व्याख्याता अंग्रेजी, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. मधु जैन, व्याख्याता शास. उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल
डॉ. सुशोवन बनिक, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. सौरभ कुमार मिश्रा, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री. अजी थॉमस, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. राजीव कुमार जैन, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
स्थानीयकरण :
भाषा एवं साक्षरता
डॉ. लोकेश खरे, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एम.एल. उपाध्याय से.नि. व्याख्याता शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय मुरैना
श्री रामगोपाल रायकवार ,कनि. व्याख्याता, डाइट कुण्डेश्वर, टीकमगढ़
डॉ. दीपक जैन अध्यापक, शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय क्र 1 टीकमगढ़
अंग्रेजी
श्री राजेन्द्र कुमार पाण्डेय, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्रीमती कमलेश शर्मा. डायरेक्टर , ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री हेमंत शर्मा, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री मनोज कुमार गुहा वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी. मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एफ.एस.खान, वरि.व्याख्याता, प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान (आईएएसई) भोपाल
श्री सुदीप दास, प्राचार्य, शास.उ.मा.विद्यालय दालौदा, मन्दसौर
श्रीमती संगीता सक्सेना, व्याख्याता, ,शास.कस्तूरबा कन्या उ.मा.विद्यालय भोपाल
गणित
श्री बी.बी. पी. गुप्ता, समन्वयक गणित, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ए. एच. खान प्राचार्य शास.उ.मा.विद्यालय रामाकोना, छिंदवाड़ा
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गुप्त , प्राचार्य शास. जीवाजी ऑब्जर्वेटरी उज्जैन
डॉ.आर,सी. उपाध्याय, वरि. व्याख्याता, डाइट, सतना
डॉ. सीमा जैन, व्याख्याता, शास. कन्या उ.मा.विद्यालय गोविन्दपुरा, भोपाल
श्री सुशील कुमार शर्मा, शिक्षक, शास. लक्ष्मी मंडी उ.मा.विद्यालय, अशोका गार्डन, भोपाल
विज्ञान
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
डॉ. सुसम्मा जॉनसन, व्याख्याता एस.आई.एस.ई. जबलपुर मध्यप्रदेश
डॉ.सुबोध सक्सैना, समन्वयक एससीईआरटी मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री अरूण भार्गव, वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्रीमती सुषमा भट्ट, वरि.व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ब्रजेश सक्सेना, प्राचार्य, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. रेहाना सिद्दकी से.नि. व्याख्याता सेन्ट फ्रांसिस हा. से. स्कूल भोपाल

*TESS-India (*विद्यालय समर्थित शिक्षक शिक्षा*)* का उद्देश्य मुक्त शैक्षिक संसाधनों की सहायता से भारत में प्रारंभिक और सेकेण्डरी शिक्षकों के कक्षा अभ्यास व कक्षा निष्पादन को सुधारना है जिसमें वे इन संसाधनों की सहायता से विद्यार्थी-केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोणों का विकास कर सकें। टेस इंडिया के मुक्त शैक्षिक संसाधन शिक्षकों के लिए स्कूल पाठ्य पुस्तक के अतिरिक्त,सहयोगी पुस्तिका या संसाधन की तरह हैं। इसमें शिक्षकों के लिए कुछ गतिविधियां दी गई हैं जिन्हे वे कक्षाओ में विद्यार्थियों के साथ प्रयोग में ला सकते हैं, इसके साथ साथ कुछ केस स्टडी दी गई हैं जो यह बताती हैं कि कैसे अन्य शिक्षकों ने पाठ्य विषय को कक्षाओं में पढ़ाया और अपनी विषय संबंधी जानकारियों को बढ़ाने तथा पाठ योजनाओं को तैयार करने में संसाधनों का उपयोग किया।

TESS-India OER भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किये गये है और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट रूप में उपयोग के लिए उपलब्ध हैं *(http://www.tess-india.edu.in)*। *OER* कार्यक्रम से जुड़े प्रत्येक भारतीय राज्य के शिक्षकों के उपयोग के लिए उपयुक्त तथा कई संस्करणों में उपलब्ध हैं तथा शिक्षक व उपयोगकर्ता इन्हे अपनी स्थानीय आवश्यकताओं और सन्दर्भों के अनुरूप इनका स्थानीय करण करके उपयोग कर सकते हैं।

प्रस्तुत संस्करण मध्यप्रदेश की स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई में कुछ गतिविधियों के साथ यह आइकॉन दिया गया है*:* . इसका अर्थ है कि आप उक्त विशिष्ट विषयवस्तु या शैक्षणिक प्रविधि को और अधिक समझने के लिए *TESS-India* के वीडियो संसाधनों की मदद ले सकते हैं।

TESS-India वीडियो ससांधन (Resources) भारतीय परिप्रेक्ष्य में कक्षाओं में उपयोग की जा सकने वाली सीखने–सिखाने की विविध तकनीकों को दर्शाते हैं। हमें यकीन है कि इनसे आपको इसी प्रकार की तकनीकें अपनी कक्षा में करने में मदद मिलेगी। यदि इन वीडियो संसाधनों तक आपकी पहुँच नहीं हो तो कोई बात नहीं। यह वीडियो पाठ्यपुस्तक का स्थान नहीं लेते, बल्कि उसको पढ़ाने में आपकी मदद करते हैं।

TESS-India के वीडियो संसाधनों को *TESS-India* की वेबसाइट *http://www.tess-india.edu.in/* पर ऑनलाइन देखा जा सकता है या डाउनलोड किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त आप इन वीडियो को सीडी या मेमोरी कार्ड में लेकर भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 EE07v2
Madhya Pradesh
तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है*: http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3*
TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

यह इकाई किसी कहानी टेक्स्ट या पाठ्यपुस्तक के पाठ से जुड़ी विभिन्न भाषाई और साक्षरता संबधी गतिविधियों की योजना बनाने के तरीके के बारे में है। यह इकाई इन गतिविधियों के (लिए किए जाने वाले) समूह कार्यों के प्रबंधन पर भी केंद्रित है।

किसी कहानी, कविता या अखबार के लेख से भी आप बहुत कुछ कर सकते हैं। आप पाठों के लिए जो भी टेक्स्ट चुनते हैं, वह इस टेक्स्ट से जुड़ी गतिविधियों के माध्यम से भाषा का कौशल विकसित करने में विद्यार्थियों की मदद करने के लिए प्रारंभिक बिंदु हो सकता है।

विद्यार्थियों को नए अनुभव अच्छे लगते हैं, लेकिन उन्हें ऐसी दिनचर्या भी अच्छी लगती है, जिसमें नए कौशल और विचारों का अभ्यास करने के अवसर बार–बार मिलें। इन कारकों का अर्थ यह है कि आप अपनी कक्षा के लिए जो टेक्स्ट चुनते हैं, आपको उस विषय से संबंधित विभिन्न तरह की गतिविधियों की योजना बनाने के लिए तैयार रहना चाहिए। आप विद्यार्थियों और कक्षाओं के विविध समूहों की आवश्यकताओं के अनुसार अपनी गतिविधियों को अनुकूलित भी कर सकते हैं।

इस इकाई की गतिविधियाँ आपको चरणबद्ध रूप से, आपकी पसंद के टेक्स्ट पर आधारित अनेक गतिविधि पाठों की योजना, तैयारी, प्रबंधन और मूल्यांकन तक ले जाएँगी।

इस इकाई से आप क्या सीख सकते हैं

- भाषा के पाठ्यपुस्तक के पाठों का विस्तार करना।
- पाठों से जुड़ी गतिविधियों की योजना तैयार करना।
- भाषा के लिए कक्षा प्रबंधन कौशल विकसित करना।

1 एक कहानी कई गतिविधियॉ

जब आप किसी एक कहानी या कविता पर केंद्रित कई तरह की गतिविधियों की योजना बनाते हैं, तो आप भाषा सीखने की विद्यार्थियों की अलग अलग ज़रूरतों पर ध्यान दे सकते हैं। केस स्टडी 1 में, एक शिक्षिका एक परिचित कहानी से जुड़ी कई गतिविधियों की योजना बनाती है।

केस स्टडी 1: गीता मिश्रित आयु–वर्गों के लिए एकाधिक गतिविधियों की योजना बनाती है

सरिता पहली, दूसरी और तीसरी कक्षा के विद्यार्थियों के मिश्रित आयु वाले बड़े समूह को पढ़ाती हैं।

मेरी कक्षा में अलग अलग उम्र और क्षमताओं वाले विद्यार्थी हैं। अलग अलग समूहों को भाषा की अलग अलग पुस्तकें देने के बजाय, मैं एक कहानी पर आधारित शिक्षा गतिविधियों की योजना बनाती हूँ, जिसे प्रत्येक समूह अपने अपने स्तर पर हासिल कर सके।

उदाहरण के लिए, मेरे सभी विद्यार्थियों को जीम च्नतप ठवल' ख्संसाधन 1 देखें, की कहानी पसंद है। इस कहानी के लिए, मैंने एक वाल चार्ट पर अलग अलग आयु समूहों के लिए चार गतिविधियों की योजना बनाई। मैंने विद्यार्थियों को इन समूहों में रखा और इन समूहों में प्रस्तुत किया। इसके बाद मैंने कक्षा में तैयारी की, ताकि सप्ताह के हर दिन एक समूह के पास 'Puri Boy' गतिविधि पर काम करने के लिए एक स्थान हो। छोटे विद्यार्थी मेरे साथ काम करते हैं, और बड़े विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से काम करते हैं – यह उनके लिए सीखने का एक अच्छा कौशल है।

दो सप्ताह की अवधि में मैं समूहों को बारी–बारी से इन सभी गतिविधियों में शामिल करती हूँ। मैं एक और वॉल चार्ट बनाती हूँ, जिसमें बताया जाता है कि प्रतिदिन प्रत्येक समूह क्या काम करेगा। समूहो चार्ट और गतिविधि चार्ट विद्यार्थियों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

कभी–कभी मैं समूहों को मिश्रित कर देती हूँ, ताकि बड़ी उम्र वाले विद्यार्थी छोटे विद्यार्थियों की मदद करें। साथ ही, मैं बड़े विद्यार्थियों से यह उम्मीद रखती हूँ कि वे छोटे विद्यार्थियों की तुलना में अधिक लेखन कार्य करें।

कहानी 'Puri Boy' के लिए मेरी गतिविधियाँ ये हैं। क्या आप अनुमान लगा सकते हैं कि किस समूह ने मेरे साथ काम किया और किस समूह ने स्वतंत्र रूप से काम किया?

1. चित्रों के आधार पर कहानी को विस्तार देते हुए आगे बढ़ाएं और अन्य जानवरों जैसे कुत्ता, बकरी, हाथी या बंदर वाली कहानियों को पाठ्यपुस्तक या अन्य स्त्रोतो से लिया जा सकता हैं इसमें जानवरो और उनकी आवाजों को शामिल करें। विद्यार्थी मुझे अपनी मातृभाषाओं में इन जानवरों के नाम बताएँगे।
2. बोर्ड पर लिखा हुंआ पढ़ें और अन्य क्रिया शब्दों का अभ्यास करें:
   - Run, run, as fast as you can
   - Jump, jump, as high as you can

- Skip, skip, as far as you can
- Walk, walk, as far as you can

शारीरिक रुप से कम सक्षम विद्यार्थी खुद को उपेक्षित न महसूस करें, यह सुनिश्चित करने के लिए इनका उपयोग किया जा सकता है:

- Eat, eat as much as you can
- Clap, clap as loud as you can
- Sleep, sleep as long as you can

3. शब्द खोजः विद्यार्थी इन शब्दों में छिपे शब्द(दों) की पहचान करते हैं: 'catch', 'woman', 'late', 'fast' और 'dough'। कम सक्षम विद्यार्थी और छोटे विद्यार्थी चित्रों और शब्दों का मिलान करते हैं।
4. जोड़ियों में अभ्यास करें और अंग्रेज़ी भाषा में संवाद लिखे एक विद्यार्थी बोलने वाली पूड़ी है और दूसरा विद्यार्थी उस पूड़ी से बात कर रहा है। कहानी के इन शब्दों और वाक्यांशों के उपयोग के साथ शुरुआत करें, और 'Oh no! Don't eat me! I will run away!' जैसे अन्य अंग्रेज़ी भाषा के वाक्यांशों का प्रयोग कर देखें।

मैं हमेशा सक्षम विद्यार्थियों के करने के लिए कुछ विस्तृत गतिविधियों की योजना बनाती हूँ, जैसे:

- कथा विस्तार और अलग–अलग अंत इस बारे में बताएँ या लिखें कि यदि लोमड़ी पूड़ी बालक को नहीं खाती तो क्या हुआ होता।
- बोलने वाली कार, बोलने वाली गुड़िया जैसे या बोलने वाली चपाती जैसे नए पात्र बनाएँ और इन नए पात्रों के साथ नई कहानियां लिखें या सुनाएँ।

मैं अंत में पूरी कक्षा के करने के लिए गतिविधियों की योजना बनाती हूँ। ऐसा करने से सभी लोग साथ मिलकर सीखते हैं:

- मुखौटा बनानाः कागज़ की एक शीट पर कहानी के किसी भी पात्र का चित्र बनाएँ। उसकी आँखों को काट लें। मुखौटे के दोनों तरफ एक–एक छिद्र बनाएँ। इन छिद्रों में धागा डालें और उसके सिरों पर गाँठ लगाएँ। शिल्प निर्देशों के माध्यम से बताई गई अतिरिक्त शब्दावली सीखें, उदा. 'draw', 'cut', 'string', 'eyes', आदि। शिल्प संसाधनों पर में लेबल लगाएँ।
- प्लेस्क्रिप्ट (नाटक की स्क्रिप्ट) लेखन पात्रों के बीच संवाद, नए पात्रों, नए क्रिया शब्दों और मुखौटों का उपयोग करके कहानी का अभिनय करना।

विद्यार्थी उसी कहानी पर वापस लौटने में बोरियत महसूस नहीं करते। एक कहानी पर केंद्रित अलग अलग गतिविधियों की योजना बनाने से उन्हें और मुझे एक परिचित और मज़ेदार थीम का उपयोग करके बार–बार का अभ्यास करने के अवसर मिलते हैं। एक टेक्स्ट पर केंद्रित अनेक गतिविधियों के कारण, विद्यार्थियों को अंग्रेजी के प्रयोग का आत्मविश्वास विकसित करने का समय मिलता है और जब मैं समूहों में काम करती हूँ, तो मुझे मूल्यांकन के अवसर भी मिलते हैं।

विचार कीजिए

- क्या आपको लगता है कि आपके विद्यार्थियों को इस तरह के कथा–आधारित पाठ अच्छे लगेंगे? क्यों या क्यों नहीं?
- एक शिक्षक के रूप में, आपके लिए इस तरह के पाठों का आयोजन करने में क्या कठिनाइयां हुई हैं?
- क्या आपको लगता है कि इनमे से कुछ गतिविधि आधारित भले ही ये सभी न सही, लेकिन आप इस तरह के कुछ सत्र आयोजित कर सकते हैं?

आगे आने वाली गतिविधियों से आपको एकाधिक गतिविधि सत्रों की योजना बनाने, प्रबंधन करने और मूल्यांकन करने में मदद मिलेगी।

गतिविधि 1: एक कहानी के साथ विविध गतिविधियों की योजना बनाएं
यदि संभव हो, तो यह गतिविधि अपने सहकर्मियों के साथ करें। नीचे दी गई लघुकथा का उपयोग करें या अपनी पाठ्यपुस्तक से कोई कहानी चुनें। **'राजा'** Raja called Shyama to come and play with him. Shyama said that he had to work and could not play. Raja went to a field with a ball. Raja saw honey bees and called them to play. The honey bees said

they could not play as they had to work. He then saw ants. Raja called out, 'Ants! Ants! Come let us play!' 'No, we cannot play. We have to work,' said the ants. Raja went home. He helped his father at work. Father said, 'You are a good boy.' Raja felt happy.

राजा की खोज की कहानी पर आधारित संभावित गतिविधियों के लिए साथियों से करें और उन्हें सूचीबद्ध करें। ऐसी गतिविधियों के बारे में सोचें, जिनमें निम्नलिखित तत्व शामिल हो सकते हैं:

- कला और शिल्प
- खेल
- नाटक, संवाद या भूमिका अदा करना
- पढ़ना
- लिखना
- भाषा का उपयोग करके अन्य शब्दों से जुड़ने के लिंक।

यह करते समय, अपने विद्यार्थियों की अलग अलग क्षमताओं के बारे में सोचें। इन गतिविधियों से किस तरह उन्हें सीखने में सहायता मिल सकती है?

यहाँ बताया गया है कि राजा की कहानी के लिए कक्षा तीन के शिक्षकों ने क्या सोचा। प्रत्येक गतिविधि में, पढ़ने, लिखने या बोलने पर ज़ोर दिया गया है।

शिल्प गतिविधिः कीड़े–मकोड़ों और जानवरों के मुखौटे बनाएँ। यदि कक्षा में आंशिक दृष्टिदोष वाले या नेत्रहीन विद्यार्थी हैं, तो अन्य विद्यार्थी उनके लिए मुखौटों की रूपरेखा बनाएँगे। साधनों और सामग्रियों (मुखौटा, कागज़, कैंची, पेंट, धागा) पर में लेबल लगाएँ।

- **नाटक/भूमिका निभानाः** संवादों के अनुसार अभिनय करें, शिल्प गतिविधि में तैयार किए गए मुखौटों का उपयोग करके अन्य जानवर और राजा के मित्र जोड़ें। उच्चारण और बोलने का अभ्यास करें।
- **पढ़ना और शब्दावली का विकासः** वाक्यों 'Come let us play' और 'No, we cannot play' को देखते हुए चाकबोर्ड पर से या पाठ्यपुस्तक से, एक साथ मिलकर यह कहानी ऊंची आवाज़ में पढ़ें। वाक्यों के अलग–अलग शब्दों के लिए नए विकल्पों का उपयोग करें और उन्हें साथ मिलकर पढ़ें. जैसे 'Come let us dance', 'Come let us cook' या 'Come let us sing', और 'No, we cannot dance/cook/sing'। नई शब्दावली पर ध्यान केंद्रित करें।

लिखनाः स्पीच बबल (speech bubbles) की सहायता से कहानी के विभिन्न दृश्यों की श्रृंखला का चित्रण करें और इनमें संवाद लिखें। जिन विद्यार्थियों को लिखने में कठिनाई होती है, उन्हें दृश्यों पर लेबल लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। में लिखने के प्रयासों को प्रोत्साहित करें।

- **अन्य विषयों के लिंकः** कीड़े मकोड़ों और जानवरों के निवास–स्थानों, तथा कीड़ों और स्तनपायी जानवरों के बीच अंतरों का वर्णन करने के लिए का उपयोग करें। भाषा शिक्षण से बाहर भी अंग्रेजी का उपयोग करें।

अब अधिकतम तीन ऐसी गतिविधियाँ अपनी पाठ्यपुस्तकें से चुनें जिससे आपके अनुसार एक लघुकथा या कविता का उपयोग करके कार्यान्वित किया जा सकता है। ऐसा पाठ चुनें, जिसमें आपको और आपके विद्यार्थियों को मज़ा आएगा। ऐसी गतिविधियाँ चुनें, जिन्हें विद्यार्थियों के साथ करने में आप आत्मविश्वासी महसूस करें। आपको किसी शिल्प या खेल के बारे में ज्यादा आत्मविश्वास महसूस हो सकता है, या आप किसी पठन गतिविधि के साथ अधिक सुरक्षित महसूस कर सकते हैं। जब आपने कोई कहानी चुन ली है और कुछ गतिविधियों पर विचार कर लिया है, तो अब इन विचारों पर अपने सहकर्मियों के साथ चर्चा करें। उनका फीडबैक लें और अपने विचारों में आवश्यक बदलाव करें।

विचार कीजिए

- क्या आप विद्यार्थियों को उनकी आयु वर्गों में या क्षमता समूहों में रखेंगे?
- क्या आप अलग–अलग गतिविधियाँ करने वाले दो या तीन समूह बनाएँगे, या सभी विद्यार्थी एक ही गतिविधि करेंगे?
- आप अपनी कक्षा में स्थान किस तरह व्यवस्थित करेंगे?
- आपको किन संसाधनों की आवश्यकता होगी?
- आप विद्यार्थियों को अपनी योजनाओं की जानकारी किस तरह देंगे?

- सीखने की आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के लिए आपको कौन–सी अतिरिक्त योजनाएँ बनानी होंगी?

विविध गतिविधियों में विद्यार्थियों के व्यवस्थित करने के बारे में अधिक जानकारी के लिए संसाधन 2, 'समूह कार्य का उपयोग करना' देखें। अब गतिविधि जारी रखें, और इसमें अधिक विवरण जोड़ें।

गतिविधि 2: विविध गतिविधियों के लिए विस्तृत योजना

जब नियोजन विस्तृत और लचीला हो, तब एक से ज्यादा गतिविधियाँ अच्छी तरह काम करती हैं। कुछ विचारणीय बिंदु निम्नलिखित हैं।

समय निर्धारण

निर्देश देने, विद्यार्थियों के समूह बनाने, उपकरणों को ले जाने और संसाधनों का वितरण करने के लिए लगने वाले समय सहित प्रत्येक गतिविधि के लिए आपको कितना समय लगेगा?

उदाहरण के लिए, केस स्टडी 1 में 'पूरी बालक' गतिविधियाँ:

- कहानी सुनाना या पढ़ना: 20 मिनट
- नए क्रिया शब्द पढ़ाना और उनका अभ्यास करना: 15 मिनट (जिसमें विद्यार्थियों को एक गोले में खड़े रहने और सुनने, दोहराने आदि के निर्देश देना शामिल है)
- मुखौटा बनाना: 30 मिनट (जिसमें संसाधन वितरित करना और निर्देश दोहराना शामिल है)।

जैसा कि आप देख सकते हैं, सब–कुछ अच्छी तरह करने के लिए कक्षा के एक पीरियड का समय पर्याप्त नहीं है। गतिविधियों का नियोजन दो या तीन पीरियड के लिए, या सप्ताह के अलग अलग दिनों के लिए किया जाना चाहिए। विद्यालय का कैलेंडर देखकर एक उपयुक्त समय तय करें, ताकि गतिविधियाँ किसी भी व्यवधान के बिना की जा सकें।

भाषा

गतिविधियों को भाषा सीखने के अवसरों में बदलें। आप विद्यार्थियों से किन शब्दों या वाक्यांशों का अभ्यास करवाना चाहते हैं? आप कैसे सुनिश्चित करेंगे कि इनका उपयोग किया जाता है? इन शब्दों और वाक्यांशों की एक सूची बनाएँ। आप उन्हें अपनी कक्षा में बोर्ड पर या एक पोस्टर पर प्रदर्शित कर सकते हैं।

कक्षा का स्थान और व्यवस्था

आपको अपनी कक्षा का सेट अप बदलने की ज़रुरत पड़ सकती है। क्या आपको कुर्सियाँ या डेस्क की जगह बदलने की ज़रुरत होगी? इस काम में विद्यार्थी आपकी मदद कर सकते हैं। आप एक गतिविधि शुरू करने, रोकने या दूसरी गतिविधि में जाने के लिए विद्यार्थियों को किस प्रकार व्यवस्थित करेंगे? विद्यार्थियों को व्यवस्थित करने और उनका ध्यान आकृष्ट करने के लिए शब्दों और वाक्यांशों का अभ्यास करें। यहाँ कुछ उदाहरण दिए गए हैं:

- 'Turn around and face each other.'
- 'Turn your chairs around.'
- 'Form a circle.'
- 'Move around quietly.'
- 'Listen to me.'
- 'Is everyone ready?'
- 'Please stop and look at me.'
- 'It's time to stop now.'

अब आप कक्षा और विद्यार्थियों से संबंधित अपने स्वयं के कुछ वाक्यांश तैयार करें। घर पर या किसी साथी शिक्षक के साथ उनका अभ्यास करें।

संसाधन और कक्षा प्रबंधन

आपको जिन संसाधनों की आवश्यकता होगी, उनकी एक सूची बनाएँ। आप संसाधनों के वितरण की व्यवस्था किस प्रकार करेंगे? उदाहरण के लिए, आप:

- पहले से ही संसाधनों को टेबलों पर रख सकते हैं और निर्देश दे सकते हैं कि एक टेबल के पास कितने विद्यार्थी खड़े होने चाहिए

- विद्यार्थियों के समूह बनाने के लिए कह सकते हैं और प्रत्येक समूह के एक सदस्य को संसाधन उठाने के लिए कह सकते हैं
- विद्यार्थियों के नाम पुकार सकते हैं और उन्हें संसाधन लेने को कह सकते हैं।

अब आपके पास अपनी कहानी या किसी अन्य टेक्स्ट पर आधारित एकाधिक गतिविधियों के लिए विस्तृत योजना होनी चाहिए, जिसमें पाठों में लगने वाला समय, भाषा के वे शब्द, जिनका आप उपयोग करेंगे और विद्यार्थियों को उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे, तथा इसमें आवश्यक संसाधन शामिल होंगे।

किसी साथी शिक्षक के साथ मिलकर अपनी योजना की समीक्षा करें और चर्चा के बाद आवश्यक होने पर इसमें परिवर्तन करें।

2 कक्षा में एकाधिक गतिविधियॉ

विविध गतिविधियाँ ज्यादा विद्यार्थियों वाली कक्षाओं, और मिश्रित आयु–वर्गों तथा मिश्रित क्षमताओं वाली कक्षाओं के प्रबंधन का एक प्रभावी तरीका हो सकती हैं। इससे आपको भी विशिष्ट समूहों को अलग करने का एक अवसर मिलता है, ताकि वे समूह आपके साथ मिलकर अधिक एकाग्रता के साथ बोलने, पढ़ने या लिखने के सत्रों में शामिल हो सकें, जबकि अन्य समूह अपने अन्य कार्य करें। इस तरह, प्रत्येक विद्यार्थी सप्ताह के दौरान कभी न कभी आपके साथ केंद्रित पठन में शामिल हो सकेगा। जब आप छोटे समूह के साथ पढ़ते हैं, तो आपको प्रत्येक विद्यार्थी के पठन विकास का आकलन करने का अवसर मिलता है।

इस बारे में सोचना महत्वपूर्ण है कि जब विद्यार्थी अपने कार्य में व्यस्त होंगे, तब आप क्या करेंगे। आप बारी–बारी से प्रत्येक समूह में जा सकते हैं और पाठ के दौरान उसकी प्रगति का निरीक्षण कर सकते हैं। जब आप समूह कार्य शुरू करते हैं, तो अक्सर यह सुनिश्चित कर लेना उपयोगी होता है कि विद्यार्थी अपने कार्य कर रहे हैं, लेकिन साथ ही आपको विद्यार्थियों को इस बात के लिए भी प्रोत्साहित करना चाहिए कि वे स्वतंत्र रूप से कार्य करें – भले ही केवल दस मिनट के लिए ही सही। इससे स्वतंत्र रूप से सीखने का उनका कौशल विकसित होगा।

अप्रत्याशित घटनाओं के लिए योजना बनाना भी याद रखें। आपकी योजना में क्या गड़बड़ी हो सकती है या क्या व्यवधान आ सकता है? हो सकता है कि विद्यार्थियों को इस तरीके से काम करने की आदत न हो, या वे आपके निर्देशों को समझ न सकें। आपको अपनी गतिविधि को पुनः व्यवस्थित करने या अपने निर्देशों के तरीके में बदलाव करने की ज़रुरत पड़ सकती है।

विद्यार्थियों को स्पष्ट निर्देश दें, जिससे वे यह समझ सकें कि उनके व्यवहार और उनके परिणामों के संदर्भ में क्या आवश्यक है। निर्देशों को दोहराएँ और विद्यार्थियों को उन्हें दोहराने के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि इस बात की पुष्टि हो जाए कि वे इन्हें अच्छी तरह समझ गए हैं। इस बात को पहचानें कि इस भूमिका में स्वयं आपके पास भी का अभ्यास करने और बोलने के अवसर हैं।

इसके लिए शुरू में आपको विस्तृत योजना बनानी पड़ सकती है, जिसमें कक्षा और समूहों के प्रबंधन के लिए रणनीतियाँ भी शामिल हैं। समय के साथ–साथ, आपको पता चलेगा कि गतिविधियों की व्यवस्था करना सरल होने लगता है क्योंकि विद्यार्थियों को इस दिनचर्या की आदत हो जाती है।

जब आप गतिविधि 1 और 2 में आपके द्वारा विकसित की गई योजना को कार्यान्वित करते हैं, तो इन प्रश्नों के उत्तर देने की कोशिश करें, ताकि आप इसके परिणामों से सीख सकें और अगले पाठों में अपनी शिक्षा को लागू कर सकें:

- आपको सबसे ज्यादा अच्छा क्या लगा? क्यों?
- विद्यार्थियों को सबसे ज्यादा अच्छा क्या लगा?
- किस बात को बेहतर तरीके से नियोजित किया जा सकता था?
- इन गतिविधियों से विद्यार्थियों को किस हद तक का अभ्यास करने के अवसर मिले?
- आपने अलग अलग विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए गतिविधियों में विविधता की योजना किस प्रकार बनाई?
- आपको अपनी स्वयं की का अभ्यास करने के लिए कौन–से अवसर मिले?
- आप अगली बार कौन–सा काम अलग तरीके से करेंगे?

वीडियोः पाठ की योजना

3 सारांश

यह इकाई इस बात पर केंद्रित थी कि आप पाठ्यपुस्तक के पाठों की संभावनाओं का विस्तार करने के लिए गतिविधियों को किस प्रकार व्यवस्थित कर सकते हैं, ताकि प्रत्येक विद्यार्थी सीख सके और इसका अभ्यास कर सके। भाषा को अच्छी तरह सीखने के लिए, विद्यार्थियों को आपके द्वारा व्यवस्थित किए गए विविध भाषा अनुभवों की आवश्यकता होगी।

में कुशलता केवल पाठ्यपुस्तक के उपयोग द्वारा विकसित नहीं की जा सकती। सौभाग्य से, भारत का राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और अधिकांश राज्यों के पाठ्यक्रम शिक्षकों को विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के आधार पर अतिरिक्त गतिविधियाँ चुनने और उनकी योजनाएँ बनाने की स्वतंत्रता देते हैं। इसलिए अपनी पाठ्यपुस्तक को रोचक और सार्थक भाषा शिक्षण गतिविधियों की एक श्रृंखला का प्रारंभिक बिंदु मानें, जहाँ आप अपनी रचनात्मकता और शिक्षा कौशल का उपयोग कर सकते हैं।

इस विषय पर प्रारम्भिक अंग्रेजी अध्यापक विकास इकाईयाँ हैं:

- *रचनात्मक कला के माध्यम से अंग्रेजी सीखना*
- *अंग्रेजी भाषा एवं इसकी विषयवस्तु का एकीकरण*
- *साझा पठन*
- *पठन को विकसित करना और मॉनीटरिंग करना।*

संसाधन

संसाधन 1 The Puri Boy

Once upon a time, an old woman and her husband lived alone in a little old house. They had no children. One day the woman made a puri shaped like a boy. She carefully rolled out the dough, and cut out a very nice-looking boy. What a fine looking boy he was!

The old woman put him in the pan full of hot oil, to fry. After he was fully fried and fluffy, she carefully lifted him from the pan. Up jumped the puri boy, and he ran out the door saying, ‘Run, run, as fast as you can! You can’t catch me! I’m the puri boy!’

The old woman and the old man ran after him, but they could not catch him.

And so the Puri boy ran and ran. While he was running, he met a cow.

'Moo,' said the cow. 'You look very fine! Fine enough to eat!' and the cow started to chase the little boy.

But the puri boy ran faster, saying, 'I ran away from an old woman, I ran away from an old man, and I can run away from you!'

And he laughed, 'Run, run, as fast as you can! You can't catch me! I'm the puri boy!'

The cow ran after the puri boy, but it could not catch him.

While he ran, he met a cat.

'Meow,' said the cat. 'You look good enough to eat. I'm going to eat you, puri boy.'

But the puri boy just laughed, 'I ran away from an old woman, I ran away from an old man, I ran away from a cow, and I can run away from you!'

And so he ran singing, 'Run, run, as fast as you can! You can't catch me! I'm the puri boy!'

The cat ran after the puri boy, but it could not catch him. The puri boy was proud that he could run so fast.

'Nobody can catch me,' he thought. So he kept on running until he met a fox. He wanted to tell the fox how he ran faster than all the others.

'Mr Fox,' he said, 'I ran away from an old woman, I ran away from an old man, I ran away from a cow, I ran away from a cat, and I can run away from you.'

'Why would I want to eat you?' asked Mr Fox. 'I do not like puris.'

The puri boy was happy to hear this. He stopped running. Immediately, the fox ate him up. The fox said, 'Sorry, puri boy – I do like puris.'

संसाधन 2 समूह में कार्य का प्रयोग करना

समूहकार्य एक व्यवस्थित, सक्रिय, अध्यापन कार्यनीति है जो विद्यार्थियों के छोटे समूहों को एक आम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित करती है। ये छोटे समूह संरचित गतिविधियों के माध्यम से अधिक सक्रिय और अधिक प्रभावी शिक्षण को प्रोत्साहित करते हैं।

समूहकार्य के लाभ

समूहकार्य विद्यार्थियों को सोचने, संवाद कायम करने, विचारों का आदान–प्रदान करने और निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करके सीखने हेतु उन्हें प्रेरित करने का बहुत ही प्रभावी तरीका हो सकता है। आपके विद्यार्थी दूसरों को सिखा सकते हैं और उनसे सीख भी सकते हैं: यह शिक्षण का शक्तिशाली और सक्रिय स्वरूप है।

समूहकार्य में विद्यार्थियों का समूहों में बैठना ही काफी नहीं होता है; इसमें स्पष्ट उद्देश्य के साथ सीखने के साझा कार्य पर काम करना और उसमें योगदान करना भी शामिल होता है। आपको इस बात को लेकर स्पष्ट होना होगा कि आप पढ़ाई के लिए सामूहिक कार्य का उपयोग क्यों कर रहे हैं और यह जानना होगा कि यह भाषण देने, जोड़े में कार्य या विद्यार्थियों के स्वयं से कार्य करने पर तरजीह देने योग्य क्यों है। इस तरह समूहकार्य को सुनियोजित और उद्देश्यपूर्ण होना आवश्यक है।

समूह कार्य की योजना बनाना

आप समूहकार्य का प्रयोग कब और कैसे करेंगे यह इस बात पर निर्भर करेगा कि पाठ के अंत में आप कौन सा शिक्षण पूरा करना चाहते हैं। आप समूहकार्य को पाठ के आरंभ में, अंत में या बीच में शामिल कर सकते हैं, लेकिन आपको पर्याप्त समय का प्रावधान करना होगा। आपको उस कार्य के बारे में जो आप अपने विद्यार्थियों से पूरा करवाना चाहते हैं और समूहों को नियोजित करने के सर्वोत्तम ढंग के बारे में सोचना होगा।

एक अध्यापक के रूप में, आप समूहकार्य की सफलता सुनिश्चित कर सकते हैं यदि आप निम्न की योजनाएँ अग्रिम रूप से बनाते हैं:

- सामूहिक गतिविधि के लक्ष्य और अपेक्षित परिणाम
- किसी भी फीडबैक या सारांश कार्य सहित, गतिविधि के लिए आबंटित समय
- समूहों को कैसे विभाजित करना है (कितने समूह, प्रत्येक समूह में कितने छात्र, समूहों के लिए मापदंड)

- समूहों को कैसे नियोजित करना है (समूह के विभिन्न सदस्यों की भूमिका, आवश्यक समय, सामग्रियाँ, रिकार्ड करना और रिपोर्ट करना)
- कोई भी आकलन कैसे किया और रिकार्ड किया जाएगा (व्यक्तिगत आकलनों को सामूहिक आकलनों से अलग पहचानने का ध्यान रखें)
- समूहों की गतिविधियों पर आप कैसे निगरानी रखेंगे।

समूह में कार्य के काम

वह काम जो आप अपने विद्यार्थियों को पूरा करने को कहते हैं वह इस पर निर्भर होता है कि आप उन्हें क्या सिखाना चाहते हैं। समूहकार्य में भाग लेकर, वे एक–दूसरे को सुनने, अपने विचारों को समझाने और आपसी सहयोग से काम करने जैसे कौशल सीखेंगे। तथापि, उनके लिए मुख्य लक्ष्य है जो विषय आप पढ़ा रहे हैं उसके बारे में कुछ सीखना। कार्यों के कुछ उदाहरणों में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:

- **प्रस्तुतीकरण:** विद्यार्थी समूहों में काम करके शेष कक्षा के लिए प्रस्तुतीकरण बनाते हैं। यह सबसे उपयोगी तब होता है जब प्रत्येक समूह के पास विषय का भिन्न पहलू होता है, जिससे वे एक ही विषय को कई बार सुनने की बजाय एक दूसरे को सुनने के लिए प्रेरित होते हैं। प्रत्येक समूह को प्रस्तुत करने के लिए दिए गए समय के विषय में काफी सख्ती बरतें और अच्छे प्रस्तुतीकरण के लिए मापदंडों का एक सेट निश्चित करें। इन्हें पाठ से पहले बोर्ड पर लिखें। विद्यार्थी मापदंडों का उपयोग अपने प्रस्तुतिकरण की योजना बनाने और एक दूसरे के काम का आकलन करने के लिए कर सकते हैं। इन मापदंडों में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:
  - क्या प्रस्तुतीकरण स्पष्ट था?
  - क्या प्रस्तुतीकरण सुसंरचित था?
  - क्या मैंने प्रस्तुतीकरण से कुछ सीखा?
  - क्या प्रस्तुतीकरण ने मुझे सोचने पर मजबूर किया?
- **समस्या को हल करना:** विद्यार्थी किसी समस्या या समस्याओं की एक श्रृंखला को हल करने के लिए समूहों में काम करते हैं। इसमें शामिल हो सकता है, विज्ञान का कोई प्रयोग करना, गणित की समस्याएं हल करना, अंग्रेजी कहानी या कविता का विश्लेषण करना।
- **कोई कलाकृति या उत्पाद बनाना:** विद्यार्थी समूहों में काम करके किसी कहानी, नाटक के भाग, संगीत के अंश, किसी अवधारणा को समझाने के लिए मॉडल, किसी मुद्दे पर समाचार रिपोर्ट या जानकारी को सारांशित करने या अवधारणा को समझाने के लिए पोस्टर बना सकते हैं। समूहों को किसी नए विषय के आरंभ में मंथन करने या मस्तिष्क में रूपरेखा बनाने के लिए पाँच मिनट देने से आपको इस बारे में बहुत कुछ जानकारी मिलेगी कि उन्हें क्या पहले से पता है, और आपको पाठ को उपयुक्त स्तर पर स्थापित करने में सहायता मिलेगी।
- **विभेदित कार्य:** समूहकार्य विभिन्न उम्रों या दक्षता स्तरों के विद्यार्थियों को किसी उपयुक्त काम पर मिलकर काम करने देने का अवसर है। अधिक दक्षता प्राप्त करने वाले काम को समझाने के अवसर से लाभ उठा सकते हैं, जबकि कम दक्षता प्राप्त करने वालों के लिए कक्षा की बनिस्बत समूह में प्रश्न पूछना अधिक आसान हो सकता है, और वे अपने सहपाठियों से सीखेंगे।
- **चर्चा:** विद्यार्थी किसी मुद्दे पर विचार करते हैं और एक निष्कर्ष पर पहुँचते हैं। इसके लिए आपको अपनी ओर से काफी तैयारी करनी होगी ताकि सुनिश्चित हो सके कि विभिन्न विकल्पों पर विचार करने के लिए विद्यार्थियों के पास पर्याप्त ज्ञान है, लेकिन चर्चा या विवाद का आयोजन आप और उन के लिए बहुत उपयोगी हो सकता है।

समूहों का नियोजन करना

चार से आठ के समूह आदर्श होते हैं किंतु यह आपकी कक्षा, भौतिक पर्यावरण और फर्नीचर, तथा आपकी कक्षा की दक्षता और उम्र के दायरे पर निर्भर करेगा। आदर्श रूप से समूह में हर एक के लिए एक दूसरे से मिलना, बिना चिल्लाए बात करना और समूह के परिणाम में योगदान करना आवश्यक होगा।

- तय करें कि आप विद्यार्थियों को समूहों में कैसे और क्यों विभाजित करेंगे; उदाहरण के लिए, आप समूहों को मित्रता, रुचि या समान अथवा मिश्रित दक्षता के अनुसार बाँट सकते हैं। भिन्न तरीकों से प्रयोग करें और समीक्षा करें कि प्रत्येक कक्षा के लिए क्या सर्वोत्तम है।
- योजना बनाएं कि आप समूह के सदस्यों को कौन सी भूमिकाएं देंगे (उदाहरण के लिए, नोट लेने वाला, प्रवक्ता, टाइम कीपर या उपकरणों का संग्रहकर्ता) और आप इसे कैसे स्पष्ट करेंगे।

समूहकार्य का प्रबंधन करना

आप अच्छे समूहकार्य के प्रबंधन के लिए दिनचर्याएं और नियम तय कर सकते हैं। जब आप नियमित रूप से समूहकार्य का उपयोग करते हैं, तो विद्यार्थियों को पता चल जाएगा कि आप क्या अपेक्षा करते हैं और वे इसे आनंददायक पाएंगे। टीमों और समूहों में काम करने के लाभों की पहचान करने के लिए आरंभ में कक्षा के साथ काम करना एक अच्छा विचार है। आपको चर्चा करनी चाहिए कि समूहकार्य में अच्छा व्यवहार क्या होता है और संभव हो तो 'नियमों' की एक सूची बनाएं जिसे प्रदर्शित किया जा सकता है; उदाहरण के लिए, 'एक दूसरे के लिए सम्मान', 'सुनना', 'एक दूसरे की सहायता करना', 'एक से अधिक विचार को आजमाना', आदि।

समूहकार्य के बारे में स्पष्ट मौखिक अनुदेश देना महत्वपूर्ण है जिसे ब्लैकबोर्ड पर संदर्भ के लिए लिखा भी जा सकता है। आपको:

- अपनी योजना के अनुसार अपने विद्यार्थियों को उन समूहों की ओर निर्देशित करना होगा जिनमें वे काम करेंगे। कक्षा में आप विद्यार्थियों को वे स्थान बताए जहां वे काम करेंगें।
- कार्य के बारे में बहुत स्पष्ट होना और उसे बोर्ड पर लघु अनुदेशों या चित्रों के रूप में लिखना चाहिए। अपने शुरू करने से पहले विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने की अनुमति प्रदान करें।

पाठ के दौरान, यह देखने और जाँच करने के लिए घूमें कि समूह किस तरह से काम कर रहे हैं। यदि वे कार्य से विचलित हो रहे हैं या अटक रहे हैं तो जहाँ जरूरत हो वहाँ सलाह प्रदान करें।

आप कार्य के दौरान समूहों को बदलना चाह सकते हैं। जब आप समूहकार्य के बारे में आत्मविश्वास महसूस करने लगें तब दो तकनीकें आजमाई जा सकती हैं – वे बड़ी कक्षा को प्रबंधित करते समय खास तौर पर उपयोगी होती हैं:

- **'विशेषज्ञ समूह'**: प्रत्येक समूह को एक अलग कार्य दें, जैसे पर्यावरण संरक्षण उत्पन्न के विभिन्न तरीके पर विचार करना या किसी नाटक के लिए किरदार विकसित करना। एक उपयुक्त समय के बाद, समूहों को पुनर्गठित करें ताकि2 प्रत्येक नया समूह सभी मूल समूहों से एक 'विशेषज्ञ' से युक्त हो। फिर उन्हें एक कार्य दें जिसमें सभी विशेषज्ञों के ज्ञान को एकत्र करना होता है, जैसे निश्चय करना कि किस प्रकार का पर्यावरण संरक्षण के उपाय सुनिश्चित करना किसी नाटक का अंश तैयार करना चाहिए।
- **'दूत'**: यदि कार्य में कोई चीज बनाना या किसी समस्या को हल करना शामिल है, तो कुछ समय बाद, प्रत्येक समूह से किसी अन्य समूह में एक दूत भेजने को कहें। वे विचारों या समस्या के हलों की तुलना और फिर वापस अपने स्वयं के समूह को सूचित कर सकते हैं। इस प्रकार, समूह एक दूसरे से सीख सकते हैं।

कार्य के अंत में, जो कुछ सीखा गया है उसका सारांश बनाएं और आपको नज़र आई किसी भी गलतफहमी को सुधारें। आप चाहें तो प्रत्येक समूह का फीडबैक सुन सकते हैं, या केवल एक या दो समूहों से पूछ सकते हैं जिनके पास आपको लगता है कि कुछ अच्छे विचार हैं। विद्यार्थियों की रिपोर्ट करने की प्रक्रिया को संक्षिप्त रखें और उन्हें अन्य समूहों के काम पर फीडबैक देने को प्रोत्साहित करें जिसमें वे पहचान सकते हैं कि क्या अच्छा किया गया था, क्या बात दिलचस्प थी और किस बात को और विकसित किया जा सकता था।

यदि आप अपनी कक्षा में समूहकार्य को अपनाना चाहते हैं तो भी आपको कभी–कभी इसकी योजना बनाना कठिन लग सकता है क्योंकि कुछ विद्यार्थी

- सक्रिय शिक्षण का प्रतिरोध करते हैं और उसमें शामिल नहीं होते
- हावी होने वाली प्रकृति के होते हैं
- अंतर्व्यैयक्तिक कौशलों की कमी या आत्मविश्वास के अभाव के कारण भाग नहीं लेते।

सीखने के परिणाम कहाँ तक प्राप्त हुए और आपके विद्यार्थियों ने कितनी अच्छी तरह से अनुक्रिया की (क्या वे सभी लाभान्वित हुए) इस पर विचार करने के अलावा, समूहकार्य के प्रबंधन में प्रभावी बनने के लिए उपरोक्त सभी बिंदुओं पर विचार करना महत्वपूर्ण होता है। सामूहिक कार्य, संसाधनों, समयों या समूहों की रचना में आप द्वारा किए जा सकने वाले समायोजनों पर सावधानी से विचार करें और उनकी योजना बनाएं।

शोध से पता चला है कि विद्यार्थियों की उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए समूहों में सीखने का हर समय प्रयोग करना आवश्यक नहीं है, इसलिए आपको हर पाठ में उसका प्रयोग करने के लिए बाध्य महसूस नहीं करना चाहिए। आप चाहें तो समूहकार्य का प्रयोग एक पूरक तकनीक के रूप में कर सकते हैं, उदाहरण के लिए विषय परिवर्तन के बीच अंतराल या कक्षा में चर्चा को अकस्मात शुरु करने के साधन के रूप में कर सकते हैं। इसका उपयोग विवाद को हल करने या कक्षा में अनुभवात्मक शिक्षण गतिविधियाँ और समस्या का हल करने के अभ्यास शुरू करने या विषयों की समीक्षा करने के लिए भी किया जा सकता है।

अतिरिक्त संसाधन

- Karadi Tales: http://www.karaditales.com/
- National Book Trust India: http://www.nbtindia.gov.in/
- NCERT textbooks: http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm
- Teachers of India classroom resources: http://www.teachersofindia.org/en

संदर्भ / संदर्भग्रंथ सूची

Bromley, H. (2000) *Book-based Reading Games.* London: Centre for Literacy in Primary Education.

Bryant, P. and Nunes, T. (eds) (2004) *Handbook of Children's Literacy.* Dordrecht: Kluwer Academic Publishers.

Dombey, H. and Moustafa, M. (1998) *Whole to Part Phonics: How Children Learn to Read and Spell.* London: Centre for Literacy in Primary Education.

Goswami, U. (2010a) 'Phonology, reading and reading difficulties' in Hall, K., Goswami, U., Harrison, C., Ellis, S. and Soler, J. (eds) *Interdisciplinary Perspectives on Learning to Read.* London: Routledge.

Goswami, U. (2010b) 'A psycholinguistic grain size view of reading acquisition across languages' in Brunswick, N., McDougall, S. and Mornay-Davies, P. (eds) *The Role of Orthographies in Reading and Spelling.* Hove: Psychology Press.

Graham, J. and Kelly, A. (2012) *Reading under Control: Teaching Reading in the Primary School.* London: Routledge.

Hall, K., Goswami, U., Harrison, C., Ellis, S. and Soler, J. (2010) *Interdisciplinary Perspectives on Learning to Read: Culture, Cognition and Pedagogy.* London: Routledge.

अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन–शेयरएलाइक लाइसेंस (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा इस परियोजना के लिए लाइसेंस के अंतर्गत ही उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons लाइसेंस से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि इस सामग्री का उपयोग अननुकूलित रूप से केवल TESS-India परियोजना के भीतर किया जा सकता है और किसी भी बाद के OER संस्करणों में नहीं। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस यूनिट में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोतों का कृतज्ञतापूर्ण आभारः

द पूरी बॉय': RVEC द्वारा अनुकूलित एवं विकसित पारंपरिक कहानी (http://www.rvec.in/)। (The Puri Boy': a traditional tale adapted and developed by the RVEC (http://www.rvec.in/).)

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।